Biswas (West Bengal), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Kanimozhi NVN Somu, Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Dr. John Brittas (Kerala).

Dr. Ashok Bajpai; concern over increase in cases of encroachment in river bed areas.

Rise in cases of encroachment on the river bed areas

डा. अशोक बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक गम्भीर विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। आज देश के अंतर्गत नदियों के catchment area का निरंतर संकुचन हो रहा है, जिसका नतीजा यह हो रहा है कि नदियां धीरे-धीरे सिमटती जा रही हैं और उनका फैलाव समाप्त हो रहा है, जिससे आये दिन बाढ़ की समस्या पैदा होती है। मान्यवर, राष्ट्रीय नदियों पर सरकारों की थोड़ी चिंता रहती भी है, लेकिन जो क्षेत्रीय नदियां हैं, स्थानीय स्तर पर जो छोटी-छोटी नदियां बहती हैं, उन नदियों का जो भी catchment area है, उन पर आवासीय बस्तियां बनती जा रही हैं। लोग खेती करने का काम कर रहे हैं और नदियां निरंतर सिकुड़ती चली जा रही हैं, जिससे एक गम्भीर संकट उत्पन्न हो रहा है। मान्यवर, इसके चलते हमारा भू-गर्भ जल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है, जो देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक चिंता का विषय है। मान्यवर, यह इतना गम्भीर विषय है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो बहुत सी नदियां धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएंगी। जो छोटी-छोटी नदियां हैं, उनका अस्तित्व ही संकट में पड़ गया है। लोग उन नदियों के catchment area में खेती कर रहे हैं, तमाम निर्माण कार्य कर रहे हैं और नदियां विलुप्त होती जा रही हैं। मान्यवर, मैं ऐसे गम्भीर विषय की ओर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए यह चाहूंगा कि इस पर प्रभावी कार्यवाही हो।

मान्यवर, इतना ही नहीं, स्थानीय लेवल पर जो वाटर बॉडीज़ थीं, तालाब इत्यादि थे, पोखर थे, उनका भी अतिक्रमण हो रहा है, उनका भराव करके लोग वहां आवासीय बस्तियां बना रहे हैं, जिस वजह से हमारा भू-गर्भ जल स्तर निरंतर नीचे कम होता जा रहा है। हम रेन वाटर रीचार्जिंग आदि तमाम प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमारे पास जो संसाधन हैं, वैदिक काल से हमारी नदियां और तालाब, जो हमारे भू-गर्भ जल स्तर संरक्षण में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन करते थे, आज उन पर ही इतना बड़ा संकट छाया हुआ है। अगर इस पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो बड़ा संकट उत्पन्न होगा। आने वाले समय में पीने के पानी का संकट होगा। मान्यवर, इतना ही नहीं, इन स्थानीय नदियों, छोटी-छोटी नदियों पर चेक डैम बनाकर वहां के भू-गर्भ जल स्तर को भी बढ़ा सकते हैं और सिंचाई के संसाधनों को भी बढ़ाने का काम कर सकते हैं। लेकिन जब नदियाँ ही नहीं रहेंगी, तो ऐसा कैसे होगा? आज हो यह रहा है कि स्थानीय प्रशासन बिल्कुल आँखों पर पट्टी बाँध कर बैठा रहता है। लोग नदियों का, तालाबों का अतिक्रमण करते रहते हैं और स्थानीय प्रशासन उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं करता। मेरा आपसे आग्रह है कि सरकार इस पर गंभीरता से विचार करे और वह राज्य सरकारों को भी निर्दिष्ट करे कि उनके अंतर्गत आने वाली जो स्थानीय नदियाँ हैं, उनका संरक्षण किया जाए तथा उन नदियों को, जो विलुप्त हो रही हैं, पुनर्जीवित करने की दिशा में काम किया जाए। आज हम तमाम सड़कों और योजनाओं के ऊपर

लाखों-करोड़ खर्च कर रहे हैं, लेकिन नदियों के संरक्षण के लिए हमारी प्राथमिकता नहीं है। केवल कुछ राष्ट्रीय नदियाँ हैं, जिनके संरक्षण की चिंता होती है, ...(**समय की घंटी**)... लेकिन स्थानीय नदियों के संरक्षण के लिए मैं चाहूँगा कि सरकार इस पर ध्यान दे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Ashok Bajpai: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), Dr. Sonal Mansingh (Nominated), Dr. Radha Mohan Das Agrawal (Uttar Pradesh), Shrimati Seema Dwivedi (Uttar Pradesh), Shri Vijay Pal Singh Tomar (Uttar Pradesh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Amar Patnaik (Odisha) and Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal).

धन्यवाद, माननीय डा. अशोक बाजपेयी जी। माननीय श्री रामचंद्र जांगड़ा जी - Demand to provide houses to Gadia Lohars in Delhi and take steps to uplift the social status of this nomadic community.

Demand to provide houses to 'Gadia Lohars' in Delhi and take steps to uplift the social status of this Nomadic Community

श्री रामचंद्र जांगड़ा (हरियाणा): माननीय उपसभापति महोदय, मैं एक गंभीर विषय की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। मान्यवर, कुछ लोग, जो गरीब-हितैषी होने का स्वांग रचते हैं और कुछ पार्टियाँ, जो गरीबों के कल्याण के नाम पर वोट लेकर सत्ता का आनंद लेती हैं, मेरी बात से उनका असली चेहरा व चरित्र देश की जनता के सामने आ जाएगा। मान्यवर, सन् 2001 में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, जिसके मुख्य मंत्री, माननीय चौधरी साहिब सिंह वर्मा थे। उन्होंने गरीब घुमंतू, देशभक्त जाति, गाड़िया लोहार के पुनर्वास की योजना बनाई तथा स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में तत्कालीन शहरी विकास मंत्री, श्री अनंत कुमार से रोहिणी के सेक्टर-2 में गाड़िया लोहारों के लिए छोटे फ्लैट बनाने की योजना का शिलान्यास करवाया। मान्यवर, 2 वर्ष के कार्यकाल में ये फ्लैट्स बन कर तैयार हो गए, जिनका उद्घाटन तत्कालीन शहरी विकास मंत्री, श्री बंडारू दत्तात्रेय जी ने किया। इन फ्लैट्स में केवल एक रिहायशी कमरा और नीचे उनके काम करने के लिए एक दुकान थी। इसमें इतना ही निर्माण था और 35 के लगभग ये फ्लैट्स थे। मान्यवर, इन लोगों का दुर्भाग्य कहेंगे कि दिल्ली में कांग्रेस नीत शीला दीक्षित जी की सरकार आ गई, जो 2013 तक चली। इसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी के श्री केजरीवाल जी की सरकार आ गई, जो अभी भी सत्तारूढ़ है। मान्यवर, 20 सालों से ये फ्लैट्स खाली पड़े हैं और ये खंडहर होने की कगार पर हैं, लेकिन गाड़िया लोहार फुटपाथों पर गंदगी के बीच पड़े हैं। मान्यवर, गरीबों के हितैषी होने का स्वांग रचने वाली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इससे बड़ा संवेदनहीनता का कोई उदाहरण नहीं मिल सकता है।